

बाँधा जाता है या गले में पहना जाता है 5. एक इंच का सोलहवाँ भाग 6. रथ हाँकने का काम करने वाली एक जाति 7. पुराण आदि के कथाकारों की एक प्राचीन जाति या उसका व्यक्ति 8. बंदीजन, भाट 9. बढ़ई।

सूतक पुं. (तद्.) 1. उत्पत्ति, जन्म, प्रसूति 2. घर में संतान का जन्म होने या किसी की मृत्यु होने पर परिवार के लोगों को लगने वाली अपवित्रता अशुद्धि/ अशौच/छूत 3. सूर्य या चन्द्रग्रहण की स्थिति में अशौच या सूतक जिसकी निवृत्ति ग्रहण के उपरांत स्नान से होती है 4. पारद/पारा।

सूतक गेह/गृह पुं. (तद्.) वह कक्ष या कमरा जहाँ बच्चे का जन्म होता है, सूतिकागार, जच्चा घर, सूतका-गृह।

सूतका स्त्री. (तत्.) जच्चा, बच्चे को जन्म देने वाली स्त्री।

सूतकान्न पुं. (तत्.) वह खाद्य पदार्थ जो बच्चे के जन्म के कारण अशुद्ध माना गया हो, किसी घर में बच्चे के पैदा होने पर सामान्यतः 11 दिन की अशुद्धि मानी जाती है और इन दिनों उस घर का अन्न, भोजन अन्य लोगों के लिए अग्राह्य होता है।

सूतका-शौच पुं. (तत्.) सूतक के कारण होने वाली अपवित्रता, अशुद्धि।

सूतकी वि. (तत्.) जिसे सूतक या अशौच लगा हो।

सूतज वि. (तत्.) सूत से उत्पन्न, सूत-पुत्र, सूत-तनय, सूत-चंदन।

सूतता स्त्री. (तत्.) सूत का कार्य, पद या भाव।

सूत धार पुं. (तद्.) सूत्रधार, बढ़ई।

सूत-नंदन पुं. (तत्.) 1. उग्रश्रवा 2. कर्ण (सूत-पुत्र)।

सूतना अ.क्रि. (तद्.) शयन करना, सोना, नींद निकालना।

सूत-पुत्र पुं. (तत्.) 1. सूत का पुत्र, जैसे कर्ण, कीचक आदि 2. सारथि, रथ हाँकने वाले का पुत्र।

सूत फूल पुं. (देश.) मैदा, महीन आटा।

सूतरी स्त्री. (देश.) दे. सुतली, डोरी, रस्सी।

सूतलड़ पुं. (देश.) 1. अरहर 2. रहँटा।

सूता पुं. (तद्.) 1. सूत्र, सूत, धागा, डोरा 2. सोया हुआ, सोता हुआ, निद्रा में लीन।

सूति वि. (देश.) 1. सूत से बना जैसे- सूती वस्त्र, सूती गलीचा 2. स्त्री. सीपी, शुक्ति 3. सूत जाति की स्त्री। स्त्री. (तत्.) 1. प्रसूति, प्रसव, जन्म, उत्पत्ति 2. उद्गम 3. संतान 4. उद्गम स्थान 5. स्वाति नक्षत्र 6. पुण्य फल, ज्ञान या सात्विक वृत्ति का उदय।

सूतिका स्त्री. (तत्.) वह स्त्री जिसने हाल ही में संतान को जन्म दिया हो, सद्य-प्रसूता, जच्चा, नवप्रसूता।

सूतिकागार/सूतिकागृह/सूतिकागेह पुं. (तत्.) जिस कमरे में प्रसूता ने संतान को जन्म दिया हो, प्रसवगृह, सौरी, जच्चाघर, सूती घर, सूती गृह।

सूतिकाल पुं. (तत्.) प्रसव काल, बच्चा जनने का समय।

सूतिकावास पुं. (तत्.) सूति का गृह, जच्चाघर।

सूतिका षष्ठी स्त्री. (तत्.) संतान के जन्म से छठे दिन का विशेष उत्सव जिसमें प्रसूता और नवजात शिशु को स्नान कराते हैं और षष्ठी देवी की पूजा की जाती है, छट या छठी।

सूतिमास पुं. (तत्.) प्रसूति मास, जिस मास में स्त्री ने संतान को जन्म दिया हो।

सूतिवात पुं. (तत्.) प्रसव के दौरान प्रसूता को होने वाली पीड़ा।

सूत्कार पुं. (तद्.) सीत्कार, सी-सी की ध्वनि, सिसकारी।

सूत्तर वि. (तत्.) बहुत श्रेष्ठ, बहुत बढ़कर।

सूत्य पुं. (तत्.) 1. सोम निष्पीडन दिवस, सोमतर्पण दिवस।